



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 28, 2004/माघ 8, 1925

No. 21]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 28, 2004/MAGHA 8, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 2004

सं. 40 (आर ई-2003)/2002—2007

फा. सं. 01/94/180/सा. सूचना/ए एम 04/पी सी-4.—निर्यात आयात नीति 2002—2007 के पैराग्राफ 2.4 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड 1) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :

1. स्तरधारकों के लिए शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी से संबंधित निर्यात-आयात नीति के पैराग्राफ 3.7.2.1 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। योजना के कार्यान्वयन के लिए नीति/प्रक्रिया के बारे में बहुत से निर्यातकों ने स्पष्टीकरण माँगा है।

यह योजना 31 मार्च, 2003 को घोषित, निर्यात आयात नीति में की गई पहल के भाग के रूप में घोषित की गई थी। इस योजना का खास उद्देश्य निर्यात में क्रमिक वृद्धि की गति को तेज करना और शेष विषयों के लिए विभिन्न उत्पादकों और सेवाओं के लिए भारत को एक प्रमुख आधार बनाना है। यह महसूस किया गया था कि स्तरधारक विशेषकर लघु क्षेत्र से, निर्यात को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण और व्यापक भूमिका निभाते रहेंगे चूँकि अधिकतर लघु ईकाइयों की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में प्रत्यक्ष पहुँच नहीं होगी। इस संदर्भ में निर्यात के मूल्य में क्रमिक वृद्धि की 10% की दर से शुल्कमुक्त आयात हकदारी की अनुमति थी जोकि वास्तविक प्रयोक्ता शर्त पर पात्रता की शर्त के अधीन थी, जिसे अन्तिम उत्पादन के लिए सहायक/एसोसिएटेड विनिर्माता/जॉब वर्कर को दिया जा सकता है। चूँकि इस योजना का उद्देश्य तेजी से बढ़ रहे स्तरधारकों को विशिष्ट रियायतें देना था, अतः इसके लाभ 1 अप्रैल, 2004 से उपलब्ध होंगे।

नई पहल होने के कारण, व्यापार एसोसिएशनों/निर्यात संवर्द्धन परिषदों और कई निर्यातकों से अनेक अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें योजना के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर स्पष्टीकरण माँगा गया है। इसी समय सरकार को रिपोर्ट प्राप्त हुई है कि कुछ स्तर धारक निर्यातक अपने निर्यात को बढ़ाने के लिए कोई महत्वपूर्ण प्रयास किये बिना दूसरों के निर्यात का श्रेय लेकर अपने निर्यात को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इस रूप में योजना के तहत केवल लाभ को बढ़ाने के लिए निर्यात के ऐसे दिशान्तरण/वृद्धि निर्यात में क्रमिक वृद्धि के अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकेगा। इसे देखते हुए दोनों के लिए योजना के कार्यान्वयन हेतु विशेष मानदण्ड निर्धारित करना आवश्यक हो गया है।

उपर्युक्त बातों को ध्यान के रखते हुए और निर्यात तथा आयात नीति, 2002-07 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड 1) के पैराग्राफ 3.2.5 के नीचे निम्नलिखित को जोड़ते हैं :-

स्तर धारकों हेतु शुल्क मुक्त हकदारी मार्ग दर्शन	3.2.6क	<p>स्कीम उन स्तर धारकों हेतु लागू होगी जो 31.3.2003 को भी स्तरधारक थे तथा जिन्होंने वर्ष 2003-04 में 25 करोड़ रुपये का न्यूनतम निर्यात कारोबार किया था ।</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. सीधे के साथ-साथ तीसरे पक्ष द्वारा किए जाने वाले निर्यातों हेतु, दस्तावेज यानी निर्यात आदेश, बीजक, जी आर फार्म, बैंक प्राप्ति प्रमाणपत्र सिर्फ आवेदक के नाम पर होने चाहिए । तथापि, तीसरे पक्ष द्वारा निर्यात हेतु जहाँ माल विनिर्माता से प्राप्त किया गया है, शिपिंग बिल में निर्यातक के नाम के साथ-साथ सहायक विनिर्माता का नाम होना चाहिए । 2. इस स्कीम के तहत आयात हेतु अनुमत माल का निर्यातित उत्पादों के साथ संबंध होना चाहिए तथा इस संबंध में आवेदक द्वारा एक घोषणा परिशिष्ट-17घ के अनुसार करनी होगी । 3. शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी प्रमाणपत्र के जारी होने के समय लाइसेंसिंग प्राधिकारी प्रमाणपत्र पर सहायक विनिर्माता/ समर्थक विनिर्माता/ जाब वर्कर के नाम का, जैसा कि आवेदक द्वारा घोषित किया हो, पृष्ठांकन करेगा । ऐसे हकदारी प्रमाणपत्र के अन्तर्गत आयातित माल स्तरधारक अथवा उसके सहायक विनिर्माता/जाब वर्कर द्वारा हकदारी में उनके सीधे योगदान के मूल्य के अनुपात में होगा । 4. ऐसे आवेदनों को प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 31 दिसम्बर होगी । 5. शुल्क मुक्त हकदारी प्रमाणपत्र पंजीकरणके अकेले पत्तन पर जारी किया जाएगा । प्रत्येक शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी प्रमाण पत्र हेतु विभाजित प्रमाणपत्र न्यूनतम 5 लाख रुपये का होगा तथा उतने मूल्य के कई प्रमाणपत्र भी जारी किए जा सकते हैं। प्रत्येक विभाजित प्रमाणपत्र हेतु बतौर शुल्क 1000 रुपये का भुगतान करना होगा । तथापि, विभाजित प्रमाणपत्र को जारी करने हेतु अनुरोध आवेदन करने के समय किया जाएगा तथा बाद में उस पर विचार नहीं किया जाएगा ।
---	--------	--

		6. शुल्क मुक्त आयात हकदारी प्रमाणपत्र जारी होने की तारीख से 12 महीनों की अवधि हेतु वैध होगा। इस प्रमाणपत्र के तहत विगत आयातों के एक महीने के भीतर अथवा प्रमाणपत्र के समाप्त होने के एक महीने के भीतर, जो भी पहले हो, स्तरधारक क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी जिन्होंने प्रमाणपत्र जारी किया हो को परिशिष्ट-17ड. के अनुसार प्रमाणपत्र के तहत आयातों/उपयोगिता का विवरण प्रस्तुत करेगा जिसकी एक प्रति क्षेत्रीय उत्पाद शुल्क तक कार्यालय को देनी होगी।
--	--	--

2. प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के पैरा 3.2.5 के अनुसार स्तर धारकों के लिए शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी योजना के तहत, हकदारी का आकलन करने और निर्यात के लिए निम्नलिखित मदों को गिना नहीं जाएगा:-

- क. अपरिष्कृत, बिना कटे और अर्द्ध पालिस किए हुए हीरे
- ख. किसी भी रूप में स्वर्ण, चाँदी और उनसे बने सादे आभूषणों सहित
- ग. भारतीय खाद्य निगम द्वारा रखे जा रहे केन्द्रीय पूल से प्राप्त अनाज
- घ. मुक्त शिपिंग बिल के तहत निर्यातित मदें

3. प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के पैरा 3.2.5 के अनुसार, स्तरधारकों के लिए निम्नलिखित मदों के शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी प्रमाणपत्र के तहत, आयात करने की अनुमति नहीं होगी:

- क. निर्यात और आयात मदों के आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण, के अध्याय 1-24 में शामिल कृषि उत्पाद

4. “सेवा प्रदायकों के लिए शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी” से संबंधित पैराग्राफ 3.18 को निम्नानुसार संशोधित किया गया है:

(क) सेवा प्रदायकों (पर्यटन क्षेत्र के होटलों और सेवा प्रदायकों के अतिरिक्त) जो नीति के पैराग्राफ 9.47 में वर्णित मानदण्डों को पूरा करेगा, वो पिछले तीन लाइसेंसिंग वर्षों में, उनके द्वारा अर्जित औसत विदेशी मुद्रा के 10 प्रतिशत के बराबर आयातों के लिए शुल्क मुक्त क्रेडिट का हकदार होगा। तथापि, होटल (एक सितारा और इससे उच्च स्तर के), हेरीटैज होटल, विशिष्ट रेस्त्रां और पर्यटन विभाग, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित और पंजीकृत पर्यटन क्षेत्र के अन्य सेवा प्रदायक, पिछले तीन वर्षों में, उनके द्वारा अर्जित औसत विदेशी मुद्रा के 5 प्रतिशत के बराबर शुल्क मुक्त आयातों के हकदार होंगे। एक और दो सितारा होटलों और विशिष्ट रेस्त्रां के लिए स्कीम के तहत हकदारी के लिए केवल अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड द्वारा अर्जित विदेशी मुद्रा का परिकलन किया जाएगा जिसकी किसी बैंक के विवरण के द्वारा परीक्षा की जाएगी, जो परिशिष्ट 36क के अधीन आवेदन को पूरा करेगी।

- (ख) सेवा प्रदायकों के सभी वर्ग स्कीम के तहत, एक/दो/तीन लाइसेंसिंग वर्षों में न्यूनतम 30 लाख रुपए की कुल विदेशी मुद्रा प्राप्त करने की शर्तों के अधीन लाभ के पात्र होंगे।
- (ग) कल पुर्जों, कार्यालय उपकरण (उपकरणों) और व्यवसायिक उपकरण (उपकरणों), कार्यालय फर्नीचर (फर्नीचरों) और उपभोग्यों सहित सभी पूँजीगत माल के आयात के लिए शुल्क मुक्त साख हकदारी प्रमाणपत्र का प्रयोग किया जाएगा बशर्ते की ये माल आई टी सी (एच एस) के अन्तर्गत मुक्त रूप से आयात के योग्य हैं। तथापि, कृषि, दुग्ध उत्पाद, मोटर कार, खेल कूल में प्रयुक्त होने वाले वाहन और सभी उद्देश्यों वाले वाहन के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी चाहे वे मद आई टी सी (एच एस) के अन्तर्गत मुक्त रूप से आयात के योग्य हों।
- (घ) इस योजना के अधीन लाभ, वास्तविक प्रयोक्ता शर्तों के अधीन होगा। शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी प्रमाण पत्र और उसके अधीन आयातित माल अहस्तांतरणीय होगा।
- (ङ) शुल्क मुक्त हकदारी प्रमाण पत्र के लिए एकल समेकित आवेदन, कम्पनी के मामले में पंजीकृत कार्यालय और अन्य के मामले में मुख्यालय द्वारा परिशिष्ट-36क में क्षेत्राधिकार क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को प्रस्तुत करना होगा। ऐसे आवेदनों को प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 31 दिसम्बर होगी।
- (च) यदि आवेदक, शाखा कार्यालय का सेवा प्रदायक का व्यक्तिगत एकक है तो यह (i) टैक्स रिटर्न जैसे किसी वैध दस्तावेजी साक्ष्य की स्वप्रमाणित प्रति जहाँ शाखा/यूनिट का नाम दिया गया है तथा (ख) कम्पनी के मामले में पंजीकृत कार्यालय अथवा फर्म के मुख्यालय से प्राधिकार पत्र जिसमें यह स्पष्ट उल्लेख हो कि इसके पंजीकृत/मुख्यालय या इसकी शाखा और यूनिट को नीति के किसी प्रावधान के अन्तर्गत आयात/निर्यात के लिए चूककर्ता या अथवा अपात्र न घोषित किया गया हो।
- (छ) आवेदक, लाइसेंस के विभाजन के लिए आवेदन कर सकता है बशर्ते कि ऐसे लाइसेंस न्यूनतम 5 लाख रुपये के हों और आवेदक को प्रक्रिया पुस्तक के परिशिष्ट 29 के अनुसार शुल्क मुक्त हकदारी प्रमाणपत्र के लिए आवेदन शुल्क के अलावा, 1000/- रुपये प्रति लाइसेंस अतिरिक्त फीस का भुगतान करना होगा।
- (ज) सीधे आयात के बदले देशी स्रोतों/राज्य व्यापार उद्यमों से मर्चों की खरीद करने के इच्छुक प्रमाणपत्र धारक के पास अग्रिम रिलीज आदेश (ए.आर.ओ.) या अवैधता पत्र, जैसा भी मामला हो, विदेशी मुद्रा/भारतीय मुद्रा में प्राप्त करने का विकल्प होगा।
- (झ) हकदारी का निजी/सार्वजनिक बॉण्डेड गोदामों से आयात के लिए उपयोग किया जा सकता है बशर्ते कि निजी/सार्वजनिक गोदामों के संबंध में निर्यात-आयात नीति के पैराग्राफ 2.28 के प्रावधानों और राजस्व विभाग के समय-समय पर जारी अधिसूचना की शर्तें पूरी होती हो।

- (अ) शुल्क मुक्त हकदारी प्रमाणपत्र 12 माह की अवधि के लिए वैध होगा। सेवा प्रदायक शुल्क मुक्त हकदारी प्रमाणपत्र की वैधता की समाप्ति की अवधि के एक माह के भीतर क्षेत्राधिकार क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को परिशिष्ट-36ख के अनुसार प्रमाणपत्र के अधीन किये गये आयातों का विवरण प्रस्तुत करेगा।
5. “सेवा प्रदायकों की शुल्क मुक्त हकदारी के लिए आवेदन पत्र” से संबंधित परिशिष्ट-36क का संशोधित पाठ इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न है।
- इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

एल. मानसिंह, महानिदेशक, विदेश व्यापार

परिशिष्ट - 36क

सेवा प्रदायकों को शुल्क मुक्त हकदारी हेतु आवेदन पत्र

(कृपया नीति का पैरा 3.8 तथा प्रक्रिया पुस्तक का पैरा 3.18 देखें।)

केवल सरकारी प्रयोग के लिए

फाइल सं० _____ दिनांक _____

1. नाम व पता _____

2. आयातक निर्यातक कोड सं० _____

3. सेवा प्रदायक की श्रेणी - (क) होटल विशिष्ट रेस्त्रां _____

(ख) अन्य _____

(कृपया परिशिष्ट 36 की क्रम सं० का उल्लेख करें।)

4. क्या आवेदक के पास स्तर प्रमाण पत्र है:- हाँ/नहीं ()

5. सेवा कर पंजीकरण सं० (यदि छूट प्राप्त हो) ()

6. सेवाओं का विवरण -

मुक्त विदेशी मुद्रा में दी गई सेवाएं			पिछले 3 लाइसेंसिंग वर्षों में दी गई औसत सेवा (भारतीय रुपये में)	शुल्क मुक्त हकदारी
2000-01	2001-02	2002-03		
1.	2.	3.	4.	5
प्रत्यक्ष/ *अप्रत्यक्ष	प्रत्यक्ष/ *अप्रत्यक्ष	प्रत्यक्ष/ *अप्रत्यक्ष		(5) = 0.1*(4)/ 0.05*(4) होटलों और रेस्त्रां के लिए

7. पंजीकरण का पत्तन (आयात प्रयोजनों के लिए) :-----

घोषणा

1. मैं/हम एतद्वारा घोषित करते हैं कि यह आवेदन पिछले 3 लाइसेंसिंग वर्ष में मुक्त विदेशी मुद्रा में दी गई सेवाओं पर आधारित है।
2. मैं/हम यह भी प्रमाणित करता हूँ/ करते हैं कि मैं/हम आवेदक की तरफ से आवेदन को सत्यापित तथा हस्ताक्षरित करने के लिए प्राधिकृत हूँ/हैं।
3. मैं/हम यह पूर्ण रूप से समझता हूँ/हैं कि आवेदन में प्रस्तुत की गई कोई भी जानकारी यदि असत्य या झूठी सिद्ध हुई तो मुझे/हमें कोई भी दण्डात्मक कार्रवाई के कोई भी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं जैसे कि विधि द्वारा निर्धारित या अन्यथा अपेक्षित हो।
4. मैं/हम यह भी घोषणा करते हैं कि मैंने/हमने पिछले 3 लाइसेंसिंग वर्षों में मुक्त विदेशी मुद्रा के निर्यात के आधार पर नीति के पैरा 3.8 के अन्तर्गत न तो कोई आवेदन दिया है और न ही कोई अन्य शुल्क हकदारी प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।
5. मैं/हम यह भी घोषणा करते हैं कि स्कीम के तहत माल का आयात करने और वास्तविक प्रयोक्ता शर्त के तहत उसके बाद उपयोग के समय एग्जिम नीति/प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के प्रावधानों और सम्बद्ध सीमा शुल्क अधिसूचना का पालन करेंगे।
6. मैं/हम यह भी घोषणा करते हैं कि उपकरण के मामले में, क्षेत्राधिकारिक उपायुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा स्वतंत्र सनदी लेखाकर, जैसे भी मामला हो, से प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे जिसमें आयातक की फैक्टरी या परिसरों में पूंजीगत माल को अधिष्ठापित करने और इसके उपयोग और संस्थानों के अनुरूप होगा जोकि आयात के छह महीनों के भीतर या उक्त उपायुक्त सीमाशुल्क या सहायक आयुक्त सीमाशुल्क की अनुमति के अनुसार बढ़ाई गयी अविधि में दिया जायेगा।
7. मैं/हम यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि विदेशी मुद्रा (विशिष्ट रेस्टोरेन्ट के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड्स के जरिए भुगतान सहित) की प्राप्ति आवेदक द्वारा दी गई वास्तविक सेवाओं के लिए है और शुल्क मुक्त हकदारी सुविधा का उपयोग करने के लिए तीसरी पार्टी से कोई सेवाएं नहीं खरीदी गई है।

हस्ताक्षर _____
 नाम _____
 पदनाम _____
 स्थान _____
 कार्यालय का पूरा पता _____

 आवासीय पता _____

 ई मेल पता _____

दिनांक:

कार्यालय की मोहर/सील

सनदी लेखाकार/लागत एवं निर्माण लेखाकार/कम्पनी सचिव का प्रमाण पत्र

मैं/हम एतद्वारा पुष्टि करता हूँ/करते हैं कि शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी प्रमाणपत्र की वैधता अवधि के लिए मैंने/हमने मेसर्स _____ के निर्धारित रजिस्ट्रों में विनिर्दिष्ट अवधि हेतु संबंधित रिकार्डों की जाँच कर ली है और यह प्रमाणित करते हैं कि -

(i) मेसर्स _____ (आवेदक का नाम व पता) जो परिशिष्ट 36 की क्रम संख्या _____ के अनुसार सेवा प्रदायक है ने क्रम सं० 6 में दिये गये विवरण के अनुसार शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी प्रमाणपत्र के तहत आयात किया है।

(ii) आवेदक ने प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष विदेशी मुद्रा के मदे की गई सेवा के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों/रिकार्डों को प्रस्तुत किया है और मैंने/हमने उसकी जाँच कर ली है तथा इनका सत्यापन कर लिया है।

प्रत्यक्ष विदेशी मुद्रा अर्जन के सम्बन्ध में हमने बैंकर/सनदी लेखाकार प्रमाणित विवरण का जाँच कर ली है। सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित अप्रत्यक्ष विदेशी मुद्रा अर्जन जैसे ट्रेवल एजेंट/यात्रा संचालक क्रू और कैटेरिंग के ठहरने के लिए विदेशी एयर लाइन्स, संयुक्त राष्ट्र संगठन और राजनयिक मिशन के संबंध में और प्राधिकृत डीलरों से नकदी प्रमाण पत्र और विदेश व्यापार महानिदेशालय के दिनांक 24.12.1998 के नीति परिपत्र सं० 60/97-2002 के अनुसार अन्य से प्राप्त रकम।

उपर्युक्त विवरणी में दी गई वित्तीय जानकारी संबंधित रजिस्टर और रिकार्डों के अनुरूप है, जिसे सेवा प्रदायक द्वारा रखी गई लेखा पुस्तिका में उसे चढ़ा लिया गया है, जो सत्य और सही है।

यह भी सुनिश्चित किया गया है कि दी गई सूचना सभी तरीके से सत्य और ठीक है, इसका कोई भाग असत्य या भ्रामक नहीं है और कोई प्रासंगिक सूचना छिपाई नहीं गई है या रोकी नहीं गई है।

न तो मैं और न ही मेरा कोई साझेदार उक्त कम्पनी या उससे संबद्ध प्रतिष्ठानों का कोई भागीदार/निदेशक, या कोई कर्मचारी है।

मैं/हम पूर्णतया ऐसा समझता हूँ/समझते हैं कि इस प्रमाण पत्र में दिया गया कोई बयान यदि गलत या झूठा सिद्ध होता है तो मैं/हम किसी दण्ड या अन्य परिणामों, जो कि कानून में या अन्यथा निर्धारित हो, के लिए उत्तरदायी होऊँगा/होंगे।

(जो लागू नहीं हो उसे काट दें।)

स्थान _____
दिनांक _____

हस्ताक्षर _____
दूरभाष संख्या _____

आधिकारिक मोहर/सील

कारपोरेट सदस्यता की पंजीकरण सं० और दिनांक

(एक सितारा और दो सितारा होटलों, विशिष्ट रेस्टोरेन्ट्स के लिए) बैंकर का प्रमाण पत्र

मैं/हम एतद्वारा पुष्टि करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने शुल्क मुक्त क्रेडिट हकदारी प्रमाणपत्र की वैधता अवधि के लिए मैसर्स.....के संबद्ध रिकार्डों की जांच कर ली है और एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि:

1. हम प्रमाणित करते हैं कि सभी भुगतान मुक्त विदेशी मुद्रा में अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड के जरिए किए गए हैं।
2. हम प्रमाणित करते हैं कि सभी भुगतान वास्तविक सेवाओं के लिए प्राप्त हुए हैं।
3. हम प्रमाणित करते हैं कि इन सभी प्राप्तियों के लिए फेमा का उल्लंघन नहीं किया गया है।

प्राधिकृत विदेशी मुद्रा डीलर कोड सं०-

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आवंटित,.....

संदर्भ संख्या.....

तारीख.....

स्थान.....

बैंकर का नाम व पता:.....

बैंकर के हस्ताक्षर:.....

आधिकारिक
मुहर

आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज

1. सेवा कर पंजीकरण की प्रति यदि लागू है।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 28th January, 2004

No. 40 (RE-2003)/2002—2007

F. No. 01/94/180/Public Notice/AM 04/PC-IV.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Export and Import Policy 2002—2007, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Handbook of Procedures (Vol. I) :

1. Attention is invited to Para 3.7.2.1 of Exim Policy for Status Holders related to Duty Free Credit Entitlement for Status Holders. Large number of exporters have requested for clarifications relating to the policy/ procedure for implementing the scheme.

The Scheme was announced as part of the initiatives taken in the Exim Policy announced on 31st March 2003 with the specific objective of accelerating the incremental growth in exports and to facilitate India emerging as a major base for sourcing different products and services for the rest of the world. It was recognized that status holders would continue playing a significant and increasing role for boosting exports particularly from the small-scale sector, as most of the small scale units would not be in a position to directly access the international market. In view of this, duty free import entitlement @ 10% of the incremental growth in value of exports was allowed, subject to the condition of eligibility on actual user condition, which could be passed on to supporting/associate manufacturers/job worker for ultimate production. Since the Scheme was intended to be a specific incentive for fast growing status holders, the benefits would be available w.e.f 1st April 2004.

Being a new initiative, a large number of representations have been received from Trade Associations/ Export Promotion Councils as well as the individual exporters seeking clarifications on various points relating to the implementation of the Scheme. At the same time, Government has received reports that some Status Holders are trying to increase their export turnover by taking credits for the export of others without putting any significant efforts in increasing exports. Such diversion/enhancement of exports merely to increase benefits under the Scheme in this manner would not lead to the intended objectives of incremental growth in exports. Such transactions amount to misuse of the Scheme. In view of this, on both these counts it has become essential to lay down specific norms for the implementation of the Scheme.

In view of the above considerations and in exercise of powers conferred under Para 2.4 of the Export and Import Policy, 2002-2007, the Director General of Foreign

Trade hereby makes the following insertions below paragraph 3.2.5 of Handbook of Procedures (Volume I):-

Duty Free Import Entitlement for Status Holders-Guidelines	3.2.6 A	<p>The scheme will be applicable to status holders who were also status holders as on 31.3.2003 and who had achieved minimum export turnover of 25 crores in the year 2003-04</p> <ol style="list-style-type: none"> I. For direct as well as third party exports, the Export documents viz Export Order, Invoice, GR form, Bank Realization Certificate should be in the name of applicant only. However for the third party exports, where goods have been procured from a manufacturer, the shipping bill should contain the name of the exporter as well as the supporting manufacturer. II. Goods allowed to be imported under this scheme shall have a nexus with the products exported and a declaration in this regard shall be made by the applicant in Appendix 17D. III. The licensing authority shall at the time of issuance of the duty free credit entitlement certificate endorse the name of the associate manufacturer/ supporting manufacturer/job worker on the certificate as declared by the applicant. Goods imported against such entitlement certificate shall be used by the status holder or his supporting manufacturer/ job worker in proportion to the value of their direct contribution to the entitlement. IV. The last date for filing of such applications shall be 31st December. V. The duty free credit entitlement certificate shall be issued with a single port of registration. For each duty free credit entitlement certificate, split certificates subject to a minimum of Rs 5 lakh each and multiples thereof may also be issued. A fee of Rs 1000/- each shall be paid for each split certificate. However, a request for issuance of split certificate(s) shall be made at the time of application only and shall not be considered at a later stage. VI. The duty free import entitlement certificate shall be valid for a period of 12 months from the date of issue. The status holder shall within one month of the last imports made under this certificate or within one month of expiry of the certificate whichever is earlier, submit a statement of imports/ utilization made under the certificate as per Appendix 17E, to the jurisdictional Regional
--	---------	---

		Licensing Authority who have issued the Certificate with a copy to the jurisdictional Excise authorities.
--	--	---

2. In terms of Para 3.2.5 of Handbook of Procedures (Volume 1), the following items would not be taken into account for computation of entitlement and export performance under Duty Free Credit Entitlement Scheme for Status Holders:
 - a. Rough, uncut and semi polished diamonds
 - b. Gold, silver in any form including plain jewellery thereof
 - c. Food grains sourced from central pool maintained by FCI
 - d. Items exported under free shipping bills
3. In terms of Para 3.2.5 of Handbook of Procedures (Volume 1) the following items would not be allowed for imports under Duty Free Credit Entitlement Certificate for Status Holders:
 - a. Agricultural products which fall under Chapters 1-24 of ITC (HS) Classification of Export and Import items
4. Paragraph 3.18 pertaining to the "Duty Free Credit Entitlement for Service Providers" is amended as under:
 - a. Service providers (other than hotels and service providers in the tourism sector fulfilling the criteria mentioned in paragraph 9.47 of the Policy shall be entitled to duty free credit for imports equivalent to 10% of the average foreign exchange earned by them in the preceding three licensing years. However, hotels (one star and above), heritage hotels, stand-alone restaurants and other service providers in tourism sector approved and registered with Department of Tourism, Govt. of India, shall be entitled to duty free imports equivalent to 5% of the average foreign exchange earned by them in the preceding three licensing years. For one & two star hotels and stand-alone restaurant, the free foreign exchange earned through international credit cards only shall be taken into account for the entitlement under the scheme and the same would be vetted through a bankers statement that forms part of the application under Appendix 36A.
 - b. All categories of Service providers will be entitled for benefits under the scheme subject to achieving a minimum total free foreign exchange of Rs 30 lakhs in the preceding 1/2/3 licencing years.
 - c. The duty free credit entitlement certificate shall be used for import of any capital goods including spares, office equipment(s) & professional equipment(s), office furniture(s) & consumables provided such goods are freely importable under ITC(HS). However, import of agricultural products, dairy products, motor cars, sports utility vehicles and all purpose vehicles shall not be allowed even if such items are freely importable under ITC(HS).

- d. The benefit under this scheme is subject to actual user condition. The duty free credit entitlement certificate and the goods imported thereunder shall be non-transferable.
 - e. A single consolidated application for the duty free credit entitlement certificate shall be filed with the jurisdictional regional licensing authority in Appendix-36A by the Registered office in case of a company and Head Office in case of others. The last date for filing of such application shall be 31st December.
 - f. Where the applicant is the branch office or the individual units of the service provider, it shall furnish (i) self certified copy of any valid documentary evidence such as tax return etc. Where the name of the branch/unit is given and (b) an authority letter from the Registered Office of a company or head office of a firm, clearly, indicating that the Registered/Head office or its branches and unit(s) have not been declared defaulter or otherwise made in eligible for import/export under any of the provisions of the policy.
 - g. The Applicant can apply for split up of licence subject to the condition that each such licence will be of a minimum value of Rs.5 Lakhs and the applicant will be required to pay additional fee of Rs.1000/- per split up licence in addition to the application fee for the duty free entitlement certificate as per Appendix-29 of Handbook of Procedure. The request for split up licence shall be entertained only at the time of submission of initial application.
 - h. The certificate holder intending to procure the item (s) from the indigenous sources/State Trading Enterprises in lieu of direct import has the option to source them against Advance Release Order (ARO) or invalidation letter, as the case may be, which shall be denominated in foreign exchange/Indian Rupees.
 - i. The entitlement can be used for import from private/public bonded warehouses subject to the fulfillment of provision of paragraph 2.28 of Exim Policy and the terms and conditions of the notification issued by Department of Revenue from time to time in respect of private/public bonded warehouses.
 - j. The duty free entitlement certificate shall be valid for a period of 12 months. The service provider shall within one month of the completion of imports made or the expiry of the validity of the duty free entitlement certificate whichever is earlier, submit a statement of imports made under the certificate as per Appendix-36B to the jurisdictional Regional Licensing Authority with a copy to the jurisdictional Excise authorities (service tax cell).
5. The amended version of Appendix 36A pertaining to “application form for duty free entitlement to service providers” is appended to this Public Notice.

This issues in Public Interest.

L. MANSINGH, Director General of Foreign Trade

APPENDIX 36-A**APPLICATION FORM FOR DUTY FREE ENTITLEMENT TO SERVICE PROVIDERS**

(Please see paragraph 3.8 of the Policy and 3.18 of the Handbook)

FOR OFFICIAL USE

File No.:----- Date:-----
 --

 --

1. Name and address :
2. I E Code Number :
3. Category of service provider : a) Hotels/ Stand-alone restaurants
b) Others (pl. indicate serial number as per Appendix-36)
4. Whether holding a status certificate : Yes/No. []
5. Service Tax Registration No: (unless exempted)
6. Details of services:

Services rendered in free foreign exchange						Average service rendered in the preceding three years (in Indian rupees)	Duty free entitlement
2000-01 (1)		2001-02 (2)		2002-03 (3)			
Direct	*Indirect	Direct	*Indirect	Direct	*Indirect	(4)	(5) = 0.1*(4) /0.05*(4) for hotels and restaurants

7. Port of Registration (for import purposes) :
 DECLARATION

1. I/We hereby declare that this application is based on services rendered in free foreign exchange during the preceding three licencing year.
2. I/We further certify that I/We am/are authorised to verify and sign the statement on behalf of the applicant.
3. I/We fully understand that any information furnished in the above statement, if proved incorrect or false, will render me/us liable to face any penal action or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

4. I/We further declare that I/We has/have not applied nor obtained another duty entitlement certificate issued under paragraph 3.8 of the Policy based on the exports in free foreign exchange during the preceding three licencing year.
5. I/We further declare that I/We shall comply with the provisions of the Exim Policy/Handbook of Procedure (Vol.1) and the relevant Customs notification while importing the goods under the scheme and subsequent use of the same under actual user condition.
6. I/We further declare that in respect of capital goods, a certificate from jurisdictional Deputy Commissioner Central Excise, Assistant Commissioner of Central Excise or an independent Chartered Accountant, as the case shall be produced confirming installation and use of capital goods in the importer's factory or premises, within six months from the date of imports or within such extended period as the said Deputy Commissioner of Customs or Assistant Commissioner of Customs may allow.
7. I/We declare that the receipts of foreign exchange (including payment through international credit cards for one & two star hotels and standalone restaurants) are for bonafide service transactions rendered by the applicant and no services have been purchased from third parties for availing the duty free entitlement facility.

Signature :.....

Name in Block Letters :.....

Designation :.....

Place :.....

Date Full Official Address :.....

Residential Address :.....

E.Mail address :.....

Official
Stamp/ Seal

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT/COST AND WORKS ACCOUNTANT/
COMPANY SECRETARY

I/We hereby confirm that I/We have examined the prescribed registers and also the relevant records of M/s..... for the validity period of Duty Free Credit Entitlement Certificate and hereby certify that:

(i) M/s..... (Name and address of the applicant) who is a service provider under the category at S.No. of Appendix-36 have made imports under the Duty Free Credit Entitlement Certificate as per the details supplied at Sl.No.6.

(ii) The following documents/records have been furnished by the applicant for services provided against Direct/Indirect foreign exchange and have been examined and verified by me/us:

In respect of direct foreign exchange earnings, we have verified the certified statements from the Banker/ Chartered Accountant of Foreign Exchange Earnings. In respect of *indirect forex earnings duly certified by Chartered Accountant such as amount received from Travel agents/Tour Operators, Foreign Airlines for stay of Crew and Catering, UN organizations and Diplomatic Missions and Encashment Certificate from authorized dealers and others in terms of DGFT Policy circular no.60/97-2002 dated 24.12.1998.

The financial information given in the above statement is in agreement with the relevant register and records; the same has been incorporated in the books of accounts maintained by the Service provider; and is also true and correct.

It has been ensured that the information furnished is true and correct in all respect; no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld;

It has been ensured that the information furnished is true and correct in all respect; no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld;

Neither I, nor any of my partners is a partner, director, or an employee of the above-named entity or its associated concerns;

I/we fully understand that any statement made in this certificate, if proved incorrect or false, will render me/us liable to face any penal action or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

(* Strike out whichever are not applicable)

Place.....

.....

Signature.....

Tel.No.

Date.....

Regn. No. and Date of the
Corporate Membership.....

Official
Stamp/ Seal

BANKERS CERTIFICATE (FOR ONE & TWO STAR HOTELS, STANDALONE RESTAURANTS)

I/We hereby confirm that I/We have examined the also the relevant records of M/s..... for the validity period of Duty Free Credit Entitlement Certificate and hereby certify that:

1. We certify that all payments have been made through international credit cards in free foreign exchange as per RBI guidelines in this regard.
2. We have examined all the Foreign Inward Remittance Certificates (FIRC) relating to the transactions for services rendered.
3. We certify that there has been no violation of FEMA in the case of these inward remittances.

Authorised Foreign Exchange Dealer Code No: _____

Alloted By RBI, _____

Reference No: _____

Date: _____

Place: _____

Bankers name and Address: _____

Signature of banker: _____

Official Stamp

Documents to be enclosed with the application form

1. Copy of the service tax registration if applicable.